Selection Guaranteed here

Develop India Group

Visit at : https://www.developindiagroup.co.in/

You can find here

Current Affairs | Latest Jobs | Syllabus | Admit Cards | Question Papers | cut off | Answer keys | Results

Develop India Group India's largest online complete study notes providing website. We are providing complete study notes for UPSC Exams and all state civil services examinations like UPPSC, MPPSC, BPSC, JPSC, CGPSC, UKPSC, RAS/RTS etc. Except in these exams we are providing study notes for Judicial, IIT JEE, Engineering and medical entrance, GATE, CSIR, UGC NET, Banking, RRB and SSC exams.

Visit this site for more : https://www.developindiagroup.co.in/

(ख) खोरठा भासा-साहितेक बिकासें 'दूरदर्शन' के बड़का जोगदान रहल हे। आपन गढ़िया बिचार दाय। 20

10. (क) खोरठा पइद साहितेक लेताइरें कबिता लिखेक परंपरा के बखान करा। 20

(ख) खोरठाञ् पइद साहितेक बिकासें खण्ड काइबेक जोगदान गढ़िया हे, आपन बिचार दाय। 20

★★★

Total No. of Printed Pages—4

4CCSME

KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE
खोरठा भाषा और साहित्य

PAPER—I

प्रश्न-पत्र—I

Full Marks : 200 *Time* : 3 hours

पूर्णांक : 200 *समय* : 3 घण्टे

सवालेक जबाब खोरठें दाय

कुल **पाँचगो** सवालेक जबाब दाय। सवाल संइखा **1** जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। सेस दुइयो खण्ड से **दू-दू** सवालेक उत्तर लिखा

1. हेंठें उखरवल (लिखल) कोन्हो **चाइरगो** सवालेक उत्तर दाय (पइत सवालेक जबाब *200* सबदें दाय)— 10×4=40

(क) पुरना परियाक लेताइरें खोरठाक बिकास के बारें बतावा।

(ख) कारक के माने बतावा। 'संज्ञा' सबदेक कारकीय रूप बतावा।

(ग) खोरठा सबद बिचार के मइधें 'लिंग निर्धारण' के नियम बतावा।

(घ) झारखण्डें 'ऑस्ट्रिक' भासा परिवार (अनार्य भाषा) से खोरठाक फरका-फरकी (अन्तर) के बतावा।

(ङ) संइगा (संज्ञा) के माने बता के ओकर खोरठें कतना भेद करल गेल हे? पटतइर दे के उखरावा।

(च) बिसेसन के खोरठें कतना भेद करल गेल हे? पटतइर (उदाहरण) के साथ उखरावा।

(छ) खोरठाक छेतरीय रूप के मइधें परनदिया खोरठाक बिसेसता बतावा।

(ज) खोरठा पर मैथिली के परभाव सिंञांड़ी छेतरें (सीमा क्षेत्र) परल हे, पटतइर (उदाहरण) दाय।

खण्ड—क

2. (क) खोरठाक एकरूपता खातिर 'मानकीकरन' ढेर जरूरी हे। तोंय ई बात से कहाँ तइक सहमत हाय? आपन बिचार दाय। 20

(ख) खोरठाञ्ं मगहीक परभाव के बेस भामें फरीच (स्पष्ट) करा। 20

3. (क) खोरठा भासा के छेतरीय रूप पर बिचार कइर के ओकर मानकीकरन के आधार उखरावा। 20

(ख) खोरठाञ्ं आखर बिचार के लेताइरें देवनागरी लिपि के कोन-कोन आखर गुला के खोरठें उखरवल जाहे आर कोन-कोन आखर गुला के परजोग खोरठें नाञ्ं हे? फरीच करा। 20

4. (क) 'अनेकता में एकता' के भाव भिनु-भिनु छेतरीय भासा के अधियन-अधियापन से पोहपित (पुष्ट) हेवे हे। खोरठा भाखाक लेताइरें फरीच करा। 20

(ख) कोनो भासा के ओकर आपन लिपि हेवेक चाही बा नाञ्ं? लिपि आर भासा के मांझें (मध्य) लस्तंगा (सम्बन्ध) बतावा। 20

5. (क) खोरठा गइद साहितेक लेताइरें उपनियास के बिकास के बारें बतावा। 20

(ख) खोरठा गइदेक बिकासें कहनीक जोगदान के उपरें आपन गढ़िया बिचार दाय। 20

खण्ड—ख

6. (क) झारखण्डें भासा उलगुलान (भाषा-आन्दोलन) पर आपन गढ़िया बिचार उखरावा। 20

(ख) खोरठा साहितेक बरतमान कालेक परबिरतिक उपरें आपन गढ़िया बिचार दाय। 20

7. (क) खोरठाञ्ं रेथ (राग) के माने बताइ के एकर भेद के पटतइर दे के उखरावा। 20

(ख) खोरठा साहितें अलंकार माने की? एक कठिया बा एक सुरिया (अनुप्रास), चाइर मुड़िया अलंकार (श्लेष), उसरवा (दुरुक्ति) अलंकारेक पटतइर दे के फरीच करा। 20

8. (क) साहितें 'छंद' माने की? खोरठा साहितेक लेताइरें मातरिक छंद के दुगो पटतइर दे के फरीच करा। 20

(ख) बिना 'रस' के साहित नाञ्ं हेवे पारे। रस के महातम बताइ के खोरठा साहितेक लेताइरें कोनो चाइरगो 'रस' के पटतइर दाय। 20

9. (क) खोरठा भासाक बिकासें रेडियो के जोगदान सबले गढ़िया हे। सरगेक साड़ा, राँची आर हजारीबाग (आकाशवाणी राँची और हजारीबाग) के लेताइरें फरीच करा। 20

9. (क) खोरठाक बिकासें महेश गोलवार जीक जोगदान के बखान करा। 20

(ख) खोरठाक जनवादी कबि के रूपें श्री शिवनाथ प्रमाणिक के परिचय दाय। 20

10. (क) खोरठा सिस्ट साहित लोक साहित के रीनी हे? फरीछ करा। 20

(ख) खोरठाक फिंगाढी रचना (व्यंग्य रचना) पर एक गढ़िया नोट लिखा। 20

★★★

(ख) हामनिक संस्कीरति तीन बातें बड़ी बेस हे। ऊ हे श्रम, समता आर सह अस्तित्व। एहे हे हामनिक समाजेक दर्शन (Philosophy) आर एकर छापा हामनिक भाखाञ् पावा हे।

(ग) गाँधी जी कहल हथी जे ऊ वे हे कला साहित के पसिंद कर-ऽ हथ जे ऊ करोडो-करोड लोक खातिर हेवे हे।

(घ) आब एह टो कोन्हो बात भेलक भईया। हामें ठहरलों किसान। सउसे दिन कादो-मार्टी गंजाईल रहवइया लोक। लोकों कहता कि तनी देखीं ऐकरा-आइझ भजुअ, तेली राजा भोज बइन गेलक।

7. (क) 'जिनगीक टोह' उपनियासेक लेताइरें खोरठाक आबतइक के इंजराइल (प्रकाशित) उपनियास के परिचय दाय। 20

(ख) खोरठा सिस्ट साहितेक तलिआवेक में भुनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल' जीक जोगदान के बखान करा। 20

8. (क) कहानीकार पंचम महतोक खोरठा कहनी में 'ग्रामीण परिवेश' के छापा पावल जाहे उनखर कहनीक लेताइरें फरीछ करा। 20

(ख) नउतन परिया (आधुनिक युग) के खोरठा साहितकार में से कोनो एक साहितकार के जीवनी लिखा। खोरठा साहित के बिकास में उनखर कि जोगदान हइ? 20

4CCSME

KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE
खोरठा भाषा और साहित्य

PAPER—II

प्रश्न-पत्र—II

Full Marks : 200 *Time* : 3 hours

पूर्णांक : 200 *समय* : 3 घण्टे

सवालेक जबाब खोरठें दाय

कुल **पाँच** सवालेक उत्तर दाय। सवाल संइखा **1** आर **6** जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। बाकी दुइयो खण्ड से कम-से-कम **एक-एक** सवालेक उत्तर दाय

1. हेंठें उखरवल (लिखल) कोन्हों **चाइरगो** सवालेक उत्तर दाय (पइत सवालेक जवाब *200* सबदें दाय)— 10×4=40

(क) लोकगीत के माने बतावा। लोकगीत आर शिस्टगीत के मांझे फरका-फरकी करा।

(ख) लोकगीतेक लस्तंगा लोक मानस से हेवे हे। लोक मानस के सहज अभिबेकति के रूपें एकर बिसेसता गिनावा।

(ग) लोककथाक लेताइरें कथा कहेक बेस आर ठाँव के बारें वतावा।

(घ) खोरठा लोककथाक जनम के बारे बतावा।

(ङ) खोरठा लोकगीतेक मुख परबिरति के उखरावा।

(च) खोरठा लोककथाक बिसेसता बतावा।

(छ) 'प्रकीर्ण' साहित के माने बतावा। एकर में लोक साहित के कोन-कोन बिधा आवे हे,फरीछ करा।

(ज) खोरठा सिस्ट साहितें कहनी आर उपनियास के मांझे फरका-फरकी (अन्तर) के फुरछावा।

खण्ड—क

2. (क) खोरठा लोकगीत लोक संस्कीरति के वाहक हे, लोकगीतेक लेताइरें फरीछ करा। 20

(ख) खोरठा लोकगीत आर परकिरति चितरन पर खाँट-खुँट नोट लिखा 20

3. (क) खोरठा निबंध साहित के बिकासेक कथा लिखा। 20

(ख) खोरठा गइद साहितेक लेताइरें लघु कथाक बिकास के बखान करा। 20

4. (क) खोरठा में आलोचना साहित के बिकास पर नजइर गबचाय के बखान करा। 20

(ख) नाटक आर कहनी के माने बताइ के दुइयोक मइधें फरका-फरकी के बतावा। 20

5. (क) खोरठें पहेली बा बुझवल के कि नामें जानल जाहे? एकर बिसेसता के बतावा। 20

(ख) 'प्रकीर्ण' साहितें मंतर के कि स्थान हे? आपन सुरछा, बिस हरन, नजइर-गोजइर झारन खातिर एक-एक मंतर के पटतइर दाय। 20

खण्ड—ख

6. लेताइर दइ के हदी-खदी (सप्रसंग व्याख्या) करा। पइत (प्रत्येक) भाग से **दू-दूगो**, कुल **चाइरगो** के हदी-खदी करा— 10×4=40

पइद भाग

(क) सभे पुरान, वेद, इसमिरती
उपनिषद्-रामयनी-गीता
महाभारत, दइहना पोथी
करे सजाएक उता-सुता।

(ख) हिन्दु मुसलमान सिख इसाई
हामनी सभीन भाय-भाय।
सभेक खुनेक एके रंग
तबे काहे देस गुलाक अंग-भंग।

(ग) आँइक मइस अपने डंडऊ
तभी कुछ-कुछ सुतार हतउ
ददाक भरोसे कतारी
अइसन में कि खेती हतउ।

(घ) निंदाइ खातिर आल छउवाक
सुखल मार्टी धुराक बीछना
वाह रे! पथलेक भगवान
चंदन फुलेक तोर साजना!

गइद भाग

(क) हियाँ समाज के बेबस्था गड़बड़ाइल हे। एक बेबस, लाचार हे तो दोसर मोटाइल। एक के पास चवन्नी तो दोसरेक पासें चाइर लाख बैंक बइलैंस।